जल संसाधन विभाग ने 'वामिस' सॉफ्टवेयर व एप तैयार किया

अब नयी तकनीक से की जायेगी सिंचाई परियोजनाओं की निगरानी

कवायद

संवाददाता ▷ पटना

राज्य की सिंचाई परियोजनाओं का प्रभावी प्रबंधन और निगरानी अब नयी तकनीक के माध्यम से की जायेगी. इसके लिए जल संसाधन विभाग ने एक जुलाई से 'वामिस' (वर्क्स एकाउंट्स मैनेजमेंट इन्फर्मेशन सिस्टम) नामक एक नयी सूचना प्रणाली को अपनाने का फैसला किया है. विभाग ने 'वामिस' सॉफ्टवेयर के साथ-साथ 'वामिस' एप भी तैयार किया है. इसमें जल संसाधन विभाग के राज्यभर के अधिकारी अपने क्षेत्र की योजनाओं से संबंधित रियल टाइम अपडेट्स अपलोड करेंगे. अधिकारी विभिन्न योजनाओं के स्थल निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल से ही प्रोजेक्ट के संबंध में जरूरी सूचनाओं को अपलोड करेंगे. इसमें कार्य की अद्यतन प्रगति, मशीन और श्रमबल की उपलब्धता, जियो टैग्ड फोटो आदि शामिल होंगे. विभाग ने 'वामिस' के सफल कार्यान्वयन के उद्देश्य से सभी क्षेत्रीय अभियंताओं और कर्मियों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है.

20-22
जून तक तीन दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जायेगा.

20
जून को सुबह के सत्र में बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जोन शामिल होंगे.

नयी सूचना प्रणाली को अपनाने का निर्णय

इसके लिए 20 से 22 जून तक तीन दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जायेगा. इसमें विभिन्न सत्रों में विभाग के सभी प्रक्षेत्र के अभियंता एवं कर्मी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे. 20 जून को सुबह के सत्र में बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जोन शामिल होंगे. दोपहर बाद के सत्र में कटिहार और गोपालगंज जोन शामिल होंगे. वहीं, 21 जून को सुबह के सत्र में यांत्रिक, पटना, समग्र अन्वेषण एवं योजना आयोजन, पटना तथा केंद्रीय रूपांकन, शोध एवं गुण नियंत्रण, पटना शामिल होंगे. दोपहर बाद के सत्र में सिंचाई सृजन डिहरी, औरंगाबाद व गया शामिल होंगे. 22 जून की सुबह के सत्र में सिंचाई सृजन बिहारशरीफ, भागलपुर, सहरसा और दोपहर बाद के सत्र में दरभंगा, सीवान एवं मोतिहारी के क्षेत्रीय कर्मियों एवं अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा.

1. **'वामिस' में स्थल निरीक्षण से संबंधित सूचनाओं के संग्रहण के लिए मोबाइल एप्लिकेशन को भी शामिल किया गया है.**

2. **विभाग ने 'वामिस' के सफल कार्यान्वयन के उद्देश्य से सभी क्षेत्रीय अभियंताओं और कर्मियों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है.**

क्या है वामिस

'वामिस' एक नया सॉफ्टवेयर है. इसमें प्रशासनिक अनुमोदन, तकनीकी बारीकियां, इ-माप बुक (इएमबी), बिलिंग, सर्वेक्षण, स्थल निरीक्षण आदि से संबंधित सूचनाओं के संग्रहण के लिए मोबाइल एप्लिकेशन को भी शामिल किया गया है. यह नयी सूचना प्रणाली व्यापक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (सीएफएमएस) का पूरक होगी. साथ ही परियोजनाओं के प्रभावी प्रबंधन और निगरानी में भी सहायक होगी.

डिजिलॉकर में राशन कार्ड रख सकेंगे पीडीएस के उपभोक्ता

पटना. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बिहार के सभी सरकारी राशन कार्डधारक अपने राशन कार्ड को अब डिजिटल फॉर्म में अपने मोबाइल में रख सकेंगे. दरअसल बिहार खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने राशन कार्डधारकों को डिजिलॉकर की सुविधा दे दी है. उपभोक्ता चाहें, तो इसमें राशन कार्ड को डाउनलोड कर सुरक्षित रख सकते हैं. यह सुविधा हाल ही में बिहार में शुरू की गयी है. आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मोबाइल एप के जरिये दूसरे तमाम दस्तावेजों की तरह राशन कार्ड को सहेजा सकता है. डिजिलॉकर सुविधा न केवल लोगों को आसानी से राशन उपलब्ध हो सकेगा, बल्कि डीलरों की तरफ से राशन उपभोक्ताओं के साथ की जाने वाली धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी. साथ ही राशन कार्डधारकों को राशन कार्ड के खोने या खराब होने का डर नहीं रहेगा. राशन कार्ड का यथा योग्य स्थान पर उपयोग किया जा सकेगा. विशेषज्ञों के मुताबिक डिजिलॉकर से राशन कार्ड डाउनलोड करने के लिए सबसे पहले डिजिलॉकर एप पर एक अकाउंट बनना होगा. इसके लिए उपभोक्ता मोबाइल एप पर राज्य सरकार की ऑफिशियल वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं. कुछ औपचारिक प्रक्रिया अपना कर एकाउंट बना कर उसे आधार कार्ड से जोड़ दिया जाता है.